बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय पीपीगंज, गोरखपुर

संस्थागत विकास योजना (Institutional development plan)

बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय पीपीगंज, गोरखपुर की संस्थागत विकास योजना, महाविद्यालय के सभी पहलुओ को बेहतर बनाने के लिए मजबूत रणनीतिक ढाँचा प्रदान करती है। इस योजना मे शैक्षणिक, बुनियादी ढ़ाचे, प्रशासनिक और पाठयक्रम सम्बन्धी पहलुओ को सुधारने के लिए लक्ष्य, रणनीतियॉ और प्रयास समाहित है। समय– समय पर महाविद्यालय को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु इस विकास योजना मे संशोधन किया जा सकता है।

दृष्टि और लक्ष्य

महाविद्यालय का उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, सामुदायिक सह–भागिता, बुनियादी ढ़ाचे के सुधार के साथ छात्रो का सर्वांगीण विकास करना है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों को उनकी शैक्षणिक और व्यवसायिक आंकाक्षाओ के साथ –साथ भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है। विविधता के सम्मान के साथ ही राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनाने के लिए उनमें मानवीय मूल्यों का संचार करना है।

महाविद्यालय का आदर्श वाक्य "तमसो मा ज्योतिर्गमय" यानि "हमें अंधकार (अज्ञान) से प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले चले" है जो संस्था के दृष्टिकोण को इंगित करता है।

संस्थागत विकास के मुख्य पक्ष

महाविद्यालय अपने दीर्घकालीन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पूरे वर्ष निरंतर प्रयास कर रहा है ताकि महाविद्यालय सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान कर सके।

. शैक्षणिक उत्कृष्टता – शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार करना।

. अवसंरचना विकास – कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, छात्रावासों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अवसंरचना जैसी भौतिक सुविधाओं को बेहतर बनाना।

छात्र सहायता प्रणाली – कैरियर परामर्श, इन्टर्नशिप और कौशल विकास कार्यक्रमों को मजबूत बनाना।

संकाय विकास – शिक्षकों के लिए सतत् व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

सामुदायिक सह भागिता – स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग करते हुए सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए आउटरीच कार्यक्रम चलाना।

सतत विकास हेतु प्रयास – कैम्पस के भीतर पर्यावरण के अनुकूल प्रयासों को लागू करना।

Scanned with OKEN Scanner